

10. समझौते के लिए विवादकों की विधिप्रणितियाँ, मामले की प्रकृति और परिस्थितियाँ और उसमें प्रस्तुत प्रत्येक को जटिलताएँ (टिप्पण 7 देखिए)
11. उस आय का पूर्ण और सही प्रकटन या निर्धारण आवेदकों के समक्ष प्रकट नहीं की गई है, वह रीति जिसमें ऐसी आय व्युत्पन्न हुई है और ऐसी आय पर संदेय आय-कर की प्रतिरिक्त रकम (टिप्पण 9 और टिप्पण 10 देखिए)

.....
हस्ताक्षर
(आवेदक)

सत्यापन

मैं, जो श्री का पुत्र/पुत्री/पत्नी हूँ, सत्य निष्ठा से घोषित करता हूँ कि ऊपर और उपाबंध में (जिसके अंतर्गत ऐसे उपाबंध के साथ संलग्न कबन और बहालत्व था है) जो कथित किया गया है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है। मैं यह और घोषित करता हूँ कि मैं पञ्चायिधान के रूप में अपनी हैमियत में इस आवेदन को कर रहा हूँ और मैं इस आवेदन को करने के लिए और उसे मर्यादित करने के लिए सक्षम हूँ। आज, तारीख को सत्यापित किया गया।]

स्थान :

.....
हस्ताक्षर
(आवेदक)

टिप्पण :

1. समझौते के लिए आवेदन पांच प्रतिशत में होना चाहिए।
2. समझौते के आवेदन के साथ पांच सौ रुपए फीस की जाएगी। फीस प्राधिकृत बैंक की शाखा या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जाएगी और तीन प्रतिशत में चालान समझौते के आवेदन के साथ समझौता आयोग को भेजा जाएगा। समझौता आयोग, बैंक, ड्राफ्ट, हुण्डों का अन्य परकाय्य लिखत स्वीकार नहीं करेगा।
3. *आवेदन का संख्यांक और वर्ष समझौता आयोग के कार्यालय में भरे जाएंगे।
4. कृपया यह बताएं कि आवेदक व्यक्ति है या हिंदू अभिमन्यु कुटुम्ब, कंपनी, फर्म, व्यक्ति संगम प्रादि है।
5. यदि रिक्त स्थान यथेष्ट प्रतीत नहीं होता है तो इस प्रयोग के लिए पुनः संलग्नकों का प्रयोग किया जा सकता है।
6. निर्धारण कार्यवाहियों का दशा में, उस निर्धारण अधिकारी के पदाभिधान का उल्लेख किया जाए जिसके संबंध में कार्यवाही पंजी है और यह भी उल्लेख किया जाए कि आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 139 (2)/धारा 148 के अधीन सूचना को तामील किस तारीख को की गई थी या, यथास्थिति उक्त अधिनियम की धारा 146 के अधीन निर्धारण किस तारीख को पुनः प्रारंभ किया गया था, या उक्त अधिनियम की धारा 139 के अधीन विवरणी किसी तारीख का फाइल की गई थी। मरीलो कार्यवाहियों की दशा में यह बताएं कि प्रकील किस प्रकील प्राधिकारी के समक्ष और किस तारीख को फाइल की गई है। पुनरीक्षण याचिका की दशा में, यह बताएं कि पुनरीक्षण याचिका किसी तारीख की फाइल की गई थी और क्या वह याचिका समय के भीतर फाइल की गई थी।
7. उन विवादकों के पूरे व्योरे जिन के लिए समझौता का आवेदन किया गया है, मामले की प्रकृति और परिस्थितियों और उसमें

प्रस्तुत प्रत्येक को जटिलताएँ मद 8 के सामने प्रत्येक दशाओं जानी चाहिए। जहाँ आवेदन का संबंध एक निर्धारण वर्ष से अधिक निर्धारण वर्षों में है वहाँ यह व्योरे निर्धारण वर्षवार दिया जाना चाहिए।

8. आवेदक को मामले के समझौते के लिए किए गए आवेदन को वापस लेने की अनुशा नहीं दी जाएगी।
9. मद 11 में निर्दिष्ट आय पर संदेय आय-कर की प्रतिरिक्त रकम की संगणना धारा 245ग की उपधारा (1क से 1घ) में अधिकृत रीति में की जाएगी।
10. मद 11 में निर्दिष्ट व्योरे इस आवेदन के उपाबंध में दिए जाएंगे।

उपाबंध

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 245ग (1) के अधीन आवेदन की मद 11 में निर्दिष्ट विधिप्रणितियों को अंतर्निष्ठ करने वाला कथन—

1. आय की वह रकम जो निर्धारण अधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की गई है।
2. उक्त आय पर संदेय आय-कर की प्रतिरिक्त रकम
3. समझौता किए जाने वाले विवादकों की बाबत जिसके प्रत्येक आवेदक द्वारा इतिपत्त समझौते के निर्देशन में है, तथ्यों का पूर्ण और सही विवरण।
4. रीति जिसमें मद सं. 1 में निर्दिष्ट आय व्युत्पन्न हुई है।

स्थान :

.....
हस्ताक्षर

तारीख :

.....
(आवेदक)

टिप्पण : उपाबंध के साथ निम्नलिखित संलग्न होना चाहिए

- (i) विवरण जिसमें/जिसमें उस निर्धारण वर्ष या वर्षों के लिए जिसने अधिनियम के उपबंधों के अनुसार समझौते के आवेदन का संबंध है, आवेदन की कुल आय की संगणना सम्मिलित है;
- (ii) यथास्थिति, विनिर्माण लेखा या व्यापार लेखा या दोनों की, लाभ और हानि लेखा या आय और व्यय लेखा या यथास्थिति, किसी अन्य समान लेखा या तुलनपत्र की प्रतियाँ, और
- (iii) (क) स्वत्वधारी कारबार या वृत्ति की दशा में, स्वत्वधारी के वैयक्तिक लेखाओं की प्रतियाँ

(ख) किसी फर्म या व्यक्ति-संगम या व्यक्ति-निकाय की दशा में यथास्थिति भागीदारों या उसके सदस्यों के वैयक्तिक लेखाओं की प्रतियाँ; और

(ग) किसी फर्म के भागीदार या व्यक्ति-संगम के किसी सदस्य या व्यक्ति-निकाय की दशा में यथास्थिति, फर्म या व्यक्ति-संगम या व्यक्ति-निकाय में ऐसे भागीदारों या सदस्यों की वैयक्तिक संख्या की प्रतियाँ।

[सं. 8072/फा. सं. 134/3/87-टीपीएल]

के. के. मिश्र, निदेशक (टीपीएल-3)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

New Delhi, the 17th August, 1988

NOTIFICATION

INCOME-TAX

S.O. 762 (E).—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventh Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In Appendix-II of the Income-tax Rules, 1962, for Form No. 34B, the following form shall be substituted, namely :—

"Form No. 34B

(See rules 44C and 44CA)

Form of application for settlement of case under section 245C(1) of the Income-tax Act, 1961

IN THE SETTLEMENT COMMISSION

*Settlement application No. 19 19.

1. Full name and address of the applicant

2. Permanent Account Number

3. Status [See Note 4]

4. The Commissioner having jurisdiction over the applicant

5. Assessment year(s) in connection with which the application for settlement is made

6. Date of filing the return of income for assessment year(s) referred to in column 5

7. Proceedings to which application for settlement relates, the date from which the proceedings are pending and the income-tax authority before whom the proceedings are pending [See Note 6]

8. Where any appeal or application for revision has been preferred after the expiry of the period specified for the filing of such appeal or application for revision, as the case may be, whether such appeal or revision has been admitted.

9. Date of seizure, if any, under section 132 of the Income-tax Act

10. Particulars of the issues to be settled, nature and circumstances of the case and complexities of the investigation involved (See Note 7).

11. Full and true disclosure of income which has not been disclosed before the Assessing Officer, the manner in which such income has been derived and

the additional amount of income-tax payable on such income [See Notes 9 and 10].

Signed

(Applicant)

VERIFICATION

I, son/daughter/wife of do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, what is stated above and in the Annexure [including the statement (s) and documents accompanying such Annexure] is correct and complete. I further declare that I am making this application in my capacity as designation and that I am competent to make this application and to verify it.

Verified today the day of 19

Place

Signed

(Applicant)

Notes :

1. The application for settlement must be in quintuplicate.

2. The application for settlement must be accompanied by a fee of five hundred rupees. The fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a Branch of the Reserve Bank of India and the triplicate challan sent to the Settlement Commission with the application for settlement. The Settlement Commission will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.

3. *The number and year of application will be filled in, in the office of the Settlement Commission.

4. Please state whether individual, Hindu undivided family, company, firm, an association of persons, etc.

5. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

6. In case of assessment proceedings, indicate the designation of the Assessing Officer before whom the proceedings are pending indicating also the date of service of notice under section 139(2) section 148 of the Income-tax Act, 1961, or the date of reopening of the assessment under section 146 of the said Act, or, as the case may be, the date of filing of the return under section 139 of the said Act. In case of appellate proceedings, indicate the appellate authority before whom the appeal is filed and the date of filing of the appeal. In case of revision petition, indicate the date of filing the revision petition and whether the same is filed within time or not.

7. Full details of issues for which application for settlement is made, the nature and circumstances of the case and complexities of the investigation involved must be indicated against item 10. Where application relates to more than one assessment year, these details should be furnished for each assessment year.

8. The application for settlement of a case shall not be allowed to be withdrawn by the applicant.

9. The additional amount of income-tax payable on the income referred to in item 11 should be calculated in the manner laid down in sub-sections (1A) to (1D) of section 245C.

10. The details referred to in item 11 shall be given in the Annexure to this application.

ANNEXURE

Statement containing particulars referred to in item 11 of the application under section 245C (1) of the Income-tax Act, 1961

1. Amount of income which has not been disclosed before the Assessing Officer

2. Additional amount of income-tax payable on the said income

3. Full and true statement of facts regarding the issues to be settled, including the terms of settlement sought for by the applicant

4. The manner in which the income referred to in item No. 1 has been derived.

Place

Signed

Date (Applicant)

Note : The Annexure should be accompanied by—

- (i) statement (s) containing computation of total income of the applicant for the assessment year or years to which the application for settlement relates, in accordance with the provisions of the Act;
- (ii) copies of the manufacturing account or trading account or both, as the case may be, profit and loss account or income and expenditure account or any other similar account, as the case may be, and balance sheet; and
- (iii) in the case of—
 - (a) a proprietary business or profession, copies of the personal account of the proprietor;
 - (b) a firm or association of persons or body of individuals, copies of the personal accounts of the partners or members thereof, as the case may be; and
 - (c) a partner of a firm or a member of an association of persons or body of individuals, copies of the personal account of such partner or member in the firm or association of persons or body of individuals, as the case may be".

[No. 8072/F. No. 134/3/87-TPL]

K. K. MITTAL, Director (TPL-III)



HB 3/4/87

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 410] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 18, 1988/श्रावण 27, 1910
No. 410] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 18, 1988/SRAVANA 27, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(स्वायत्त और पेट्रोस्वायत्त विभाग)

विकास आयुक्त का कार्यालय

(मेसजिफ उद्योग)

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1988

आदेश

का. भा. 763(अ).— केन्द्रीय सरकार, श्रीमति (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1987 के पैरा 9 के उपपैरा
(6) के खंड (क) द्वारा प्रयुक्त वस्तुओं का प्रयोग करने हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (स्वायत्त और
पेट्रोस्वायत्त विभाग) के आदेश का. भा. 208(अ), तारीख 23 फरवरी, 1988 का निम्नलिखित संशोधन
करती है. अध्याय :—

2109 GI/88

(1)